मोदी बोले- लखनऊ आएं...यहां के स्वाद का मजा लें

लखनऊ यूनेस्को की रचनात्मक शहरों की सूची में शामिल, पीएम ने पाककला विरासत को देखने के लिए दुनिया को दिया न्योता

लखनऊ। पाक कला विरासत के लिए लखनऊ को मिले सम्मान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने दुनियाभर के लोगों से लखनऊ घूमने आने और यहां के जायके की विरासत को चखने का न्योता दिया। साथ ही लखनऊ आकर इस शहर की विशिष्टता को जानने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लखनऊ जीवंत संस्कृति का पर्याय है, जिसके मूल में एक शानदार पाककला संस्कृति है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, मुझे खुशी है कि यूनेस्को ने लखनऊ के इस पहलू को मान्यता दी है और मैं दुनिया भर के लोगों से लखनऊ आकर इसकी विशिष्टता को जानने का आह्वान करता हूं। ब्यूरो >> मन ललचाए, रहा न जाए : माई सिटी 3

लजीज खाना...गलावटी कबाब से लेकर अवधी बिरयानी : *लखनऊ लजीज खाने के लिए एक जन्नत है। मुंह में पानी लाने वाले गलावटी कबाब से लेकर अवधी बिरयानी, स्वादिष्ट चाट और गोलगप्पे, मक्खन मलाई जैसी मिठाइयां खास हैं। टुंडे कबाबी, कुलचा-निहारी, खस्ता, कुल्फी, शीरमाल, रेवड़ी की भी खास पहचान है।*

मिली यह उपलब्धि : यूनेस्को क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी सम्मान

कई दशकों तक लजीज जायके और मेहमानवाजी से घरेलू तथा विदेशी मेहमानों के दिलों पर छाप छोड़ने वाले लखनऊ को यूनेस्को के रचनात्मक शहरों की सूची में शामिल किया गया है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की महानिदेशक ऑड्रे अजोले ने 31 अक्तूबर को लखनऊ समेत 58 नए शहरों को यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (यूसीसीएन) में शामिल करने की घोषणा की। यह घोषणा उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित यूनेस्को के 43वें महासम्मेलन में की गई। अजोले ने कहा कि लखनऊ को पाक कला श्रेणी में यूनेस्को क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी सम्मान दिया गया है।

- *लखनऊ को मिला यह सम्मान उसकी पाककला विरासत की वैश्विक स्वीकृति को चिह्नित करता है। यह सम्मान उस शहर को मिलता है जो अपनी खानपान परंपरा, सांस्कृतिक विविधता और नवाचार से विश्व को प्रेरित करता है।*

यह वैश्विक सम्मान दर्शाता है कि पर्यटन क्षेत्र विकसित उत्तर प्रदेश के विजन को साकार करने में योगदान दे रहा है। लखनऊ अब दुनिया के उन चुनिंदा शहरों की श्रेणी में शामिल हो गया है जो खानपान को सांस्कृतिक संवाद और सतत विकास का माध्यम बना रहे हैं। **-जयवीर सिंह, मंत्री- पर्यटन एवं संस्कृति**